संपादक का नोट।

अभिवादन यीशु के सबसे बहुमूल्य नाम में मेरे प्रिय भाइयों और बहनों।

इस दुनिया में हमारे प्रभु आप का बहुत ख्याल रखता है और सबसे सही तरीके से चलाता है, यह हमेशा याद रखना!

देखा और अनदेखी खतरों में इस दुनिया में हम प्रभु के प्यार को देखते हैं और हमेशा की परवा देख सकते हैं!

सूरज उगने से उसके डूबने तक, चंद्रमा रात को प्रकाश देने तक, मौसम समय समय पर बदल रहा है, फूल अपने मौसम के, उनके सत्रों में विभिन्न फलों में खिलता है, इस सब के पीछे हम देख सकते हैं कि प्रभु कितना प्यार करता है और मानव जाति की परवाह करता है ।

हम क्रिस्चियन हैं तो हम अपने माध्यम से यीशु को प्रतिबिंबित करना चाहिए। हमारे विचार, शब्दों और कर्मों में हम इस दुनिया में क्रिस्चियन हैं वो दिखाना चाहिए।

पवित्र बाइबिल में हम देखते हैं एक अंधे बर्तिमएुस नाम का आदमी था, लोगों ने उस पर कोई दया नहीं की थी। यह जानते हुए भी कि यीशु अन्धो को ठीक कर सकता है उसके बाद भी, न तो लोगों ने और न ही चेलों ने यीशु के पास बर्तिमएुस को लाया। वे सोचने लगे की अच्छा हुआ वह अंधा छोड़ दिया गया। लेकिन बर्तिमएुस, अपने तरीके से आ रहा था यीशु का पता चलने पर की वह आ रहा है चिल्लाया, 'यीशु, दाऊद के पुत्र मुझ पर दया कर।' जैसे की हम देखते है मरकुस १० : ४७, जब उसने सुना की यह नासरत निवासी यीशु है तो, पुकारकर कहने लगा ''हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर !'' उस समय भी, जो लोग यीशु के साथ थे शांत रखने के लिए उसे चेतावनी दे रहे थे। हालांकि, यीशु ने परवाह की और जब बर्तिमएुस ने यीशु को पुकारा, और वह वहाँ खड़ा हो गया और उसको अपने पास लाने के लिए अपने चेलों से कहा। मरकुस १० : ४९, तब यीशु ने रुक कर कहा, ''उसे बुलाओ।'' और लोगों ने उस अन्धे को यह कहते हुए बुलाया, ''साहस रख, उठ! वह तुझे बुला रहा है।'' यीशु ने उससे कहा, ''अपने रास्ते जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हे चंगा किया है'', और उसने तुरंत अपनी दृष्टि प्राप्त कर ली और सड़क पर यीशु के पीछे हो लिया।

आप अपनी मर्जी को प्रभु मे एक रखे और यीशु की तरह हमें दूसरों की देखभाल करना चाहिए और करुणा के साथ दूसरों की मदद करनी चाहिए। सोचें आप दूसरों की मदद कैसे कर सकते हैं! तुम मे से प्रत्येक अपना ही नहीं, परन्तु दूसरों के हित का भी ध्यान रखे। अपने मे वही स्वभाव रखो जो मसीह यीशु मे था । एक दूसरे के बोझ सहन करो और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरा करें । क्या तुम सच में शास्त्रों के अनुसार शाही कानून को पूरा करते हो ? ''आप अपने पड़ोसी से प्रेम करो जैसे की खुद से करते है'',आप अच्छा करेंगे। मनुष्य के प्रति प्रभु क्या सोचाता है ? यह उस मनुष्य को दूसरों के प्रति अच्छी तरह से बर्ताव करना चाहिए। गलातियों ६ : ९, १०, हम भलाई करने में निरुत्साहित न हो, क्योंकि यदि हम शिथिल न पड़े तो उचित समय पर कटनी काटेंगे। इसलिये जहां तक अवसर मिले सब के साथ भलाई करें विशेषकर विश्वासी भाइयों के साथ। आदम और हव्वा की अगली पीढ़ी के कैन और हाबिल थे । कैन मे कोई अच्छा गुण नहीं था, उसमे प्रेम का कोई फल नहीं था। उसके अंदर केवल ईर्ष्या और क्रोध था जिसकी वजह से उसके चेहरे का रूप बदल गया था। हमारे प्रभु प्रेम से उसके पास आये, और उस से कहा उत्पत्ति ४ : ६,७ और यहोवा ने कैन से कहा, ''तू क्यों क्रोधित है ? और तेरा मुंह क्यों उतरा हुआ है ? यदि तू भला करे तो क्या तू ग्रहण न किया जाएगा ? पर यदि तू भला न करे तो पाप द्वार पर दुपका बैठा है और वह तेरी लालसा करता है, परन्तु तुझे उसपर प्रभुता करना है ।''

यरीहो के सड़क पर वहाँ लूटने के लिए और चोट पहुंचाने के लिए चोर थे लेकिन एक ही समय में वहाँ मदद करने के लिए एक अच्छा सामरी था। अच्छा सामरी घायल आदमी के पास गया और उसके घावों पर पट्टियाँ बाँधी, तेल और दाखरस उण्डेला और तब उसने अपनी सवारी पर चढ़ाकर एक सराय में ले गया जहाँ उसने उसका ख्याल रखा। इसी तरह, आप भी दूसरों की ओर ईश्वरीय प्रेम के साथ अच्छे कर्म करें।

मेरे प्यारे बच्चों प्रभु रोज ऑफ शेरोन में पिछले १३ सालों से काम कर रहें है। वह एक विश्वसनीय प्रभु है और उनके वचन कभी नहीं विफल होंगे।

मै प्रभु का धन्यवाद करती हूँ उनकी सारी आशिषों के लिए। कृपया हमारे टीवी कार्यक्रमों जो सुभसंदेश टेलीविजन चैनल पर हर सोमवार रात ८ बजे और हर बुधवार रात ९:३० बजे आता है उसके लिए प्रार्थना करें।

मैं आप सभी से अनुरोध करती हूँ की आप अपने दैनिक प्रार्थना में हमारे कालीशिया को , मुझे और मेरे परिवार को याद करें ।

प्रभु आप सभी को आशीर्वाद दे तब तक हम फिर मिलेंगे।

प्रभु की सेवा में आपकी ,

पास्टर सरोजा म.

प्रभु की आँखें अपने लोगों पर हमेशा रहती है ।

भजन संहिता ...†%f‡ ''यहोवा की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं और उसके कान उनकी पुकार पर लगे रहते हैं।'' प्रभु की आँखें उनके बच्चों पर हमेशा रहेगी। प्रभु उनके वचन के माध्यम से हमसे बात करते है और हमसे कहतें है कि उसकी आँखें उसके धर्मी बच्चों पर रहेगी और वह हमारा ध्यान रखेगा। प्रभु के बच्चों के लिए एक धार्मिक जीवन होगा। लेकिन एक अधार्मिक का जीवन दुखद होगा, जो पाप, गर्व और अकृतज्ञता में अपने जीवन जी रहे हैं अंत समय के दौरान भुगतना होगा। वे जो अपने जीवन में प्रभु का आशीर्वाद पाने के लिए प्रभु का शुक्रिया अदा नहीं करते हैं, राख की तरह नष्ट हो जायेंगे। मलाकी † % f&„ ''क्योंकि देखो, वह धधकते भट्ठे– का–सा दिन आता है, जब सब अभिमानी और दुराचारी लोग भूसी के समान हो जाएंगे, और वह आने वाला दिन उन्हें ऐसा भस्म करेगा कि न तो उनकी जड़ और न डालियां बच पाएंगी, ''सेनाओं के यहोवा का यही वचन है। ''परन्तु तुम्हारे लिए जो मेरे नाम का भय मानते हो, धार्मिकता का सूर्य उदय होगा, और उसकी किरणों से तुम चंगे हो जाओगे, और तुम गौशाले के बछड़े के समान निकल कर चौकड़ी भरोगे।'' ऊपरी वचन में, हमने दो लोग के प्रकार देखे १)अधार्मिक/बुरा २) धर्मी/अच्छा। जो पाप और गर्व और अहंकार में रह रहे हैं ,उनके जीवन में अपनी शाखाएं जड़ से नष्ट हो जाएगी। लेकिन जो लोग प्रभु का डर मानते है वे पंखों के साथ उठेंगे और आगे बढ़ेंगे। प्रभु यीशु एक बार फिर से आएंगे, वह एक न्यायाधीश के रूप में आएंगे। इस प्रकार, जब वह एक बार फिर से आएगा, हम उसका प्रेम, दया और डर में जुड़ जायेंगे। तब फिर हम नई ताकत और हमारे जीवन में खुशी के साथ नए सिरे से जुड़ जायेंगे । अगर हम पाप और अधर्म में रह रहे हैं, तो हमारे जीवन राख की तरह नष्ट हो जाएगा और बेकार बन जायेगा।

हर उपदेशक, अंत समय के बारे में एक ही वचन अर्थात उपदेश देते है। इस प्रकार हम इसे आसानी से नहीं ले और चेतावनी हमें दिया जा रहा है इसे नजरअंदाज नहीं करना

चाहिए। प्रभु की इच्छा नहीं है कि हम में से किसी को भी नष्ट करे। उन्होंने कहा कि उनके शब्द इस दुनिया की छोर तक पहुंचने के लिए इंतजार कर रही है। प्रभु कभी भी आ सकता है, लेकिन वह इंतजार कर रहा है । हमारे लिए प्रभु के वचन है की खुद को विनम्र करे, हमारे घुटनों उसे दण्डवत करने के लिए झुकना चाहिए और हमारी जीभ कबूल करना चाहिए कि वह हमारे प्रभु परमेश्वर है। हम कुछ भी नहीं करने के लिए योग्य है, धूल के रूप में विचार करना चाहिए। याद रखे, जब हम धर्मी हैं और प्रभु का डर मानते है, वह हमें नई ताकत के साथ नवीनीकृत और स्वर्ग राज्य मे ऊपर अपने साथ हमें ले जाएगा। लेकिन, अगर हम मे प्रभु का डर नहीं है और इस दुनिया में अधन्यवादी जीने के लिए जारी है, तो हम राख की तरह नष्ट हो जायेंगे। यह महत्वपूर्ण है हम उसे जानते हैं और उसके सामने भय सहित रहने के लिए है। हाँ, उसकी आँखें सभी मानव जाति पर हो जाएगा – बच्चों, युवाओं, पुरुषों, महिलाओं और बूढ़े एक जैसे है। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश के रूप में आता है, वह धर्म से न्याय करेगा। प्रभु हर एक के जीवन मे अलग तरीकें से काम करते हैं, अलग ढंग से सबका काम होता है। जो उसे डर और गरजने के साथ उसके लिए काम करते हैं, बेहद धन्य हो जाएगा। याद रखें, प्रभु की आँखें विधवा जो प्रभु के मंदिर में भेंट के झोले में दो तांबे के सिक्के डालने पर थी। प्रभु ने उसके दिल को देखा और उसे आशीर्वाद दिया। भेंट प्रभु के सेवक को दिया भी लगन से इस्तेमाल किया जाना चाहिए, हमें पता होना चाहिए कि प्रभु देख रहा है। प्रभु की इच्छा के बिना कुछ भी नहीं होता है और उस में कोई पक्षपात नहीं है। प्रभु प्रत्येक और हर किसी को समान रूप से न्याय करेगा। हम जानते हैं कि कैसे पतरस ने प्रभु की मौत के बाद सेवा की। लोगों ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल में डाल दिया। हम पढ़ते है, **प्रेरितों के काम ✠ % „✠, परन्तु किसी ने आकर उन्हें समाचार दिया, "देखो, जिन लोगों को तुमने बन्दीगृह में डाल दिया था, वे मन्दिर में खड़े होकर लोगों को उपदेश दे रहे हैं !"** प्रभु ने उसे मात्र मछुआरे को बुद्धि, ज्ञान और शक्ति, दे दी है, क्यों? क्योंकि बाद मे वे परमेश्वर की ओर से चुने गए, वे उसे ईमानदारी से सेवा की। इस प्रकार, भले जेल जब पतरस बाँधा गया था, वह खुद को मुक्त कर दिया और मंदिर में उपदेश और प्रभु के लोगों को पढ़ाने के लिए जारी रखा। जैसे हमारे जीवन में, जब हमें पीठ पर एक घाव होता है, हमें अपनी पीठ मोड़ने के लिए डर लगता है। इस प्रकार, हम भी खुद को मोड़ने के लिए और प्रभु की सेवा जब भी आवश्यक हो करने के लिए तैयार होना चाहिए। जब हमारे शारीरिक स्वयं या हमारी आत्मा पर कोई घाव नहीं होगा। हम स्वतंत्र रूप से प्रभु की सेवा कर सकते हैं। लेकिन, पतरस की स्थिति अलग थी । उन्होंने कहा कि प्रभु की सेवा के लिए पीड़ित था। लोगों ने उसे प्रचार करने के लिए सहमति नहीं दी, इस प्रकार वह कैद किया गया था । लेकिन प्रभु के काम बंद कभी होते है, नहीं। जब वह मुक्त किया गया था वह एक बार फिर से लोगों के पास वापस चला गया और परमेश्वर के वचन का प्रचार किया था। प्रभु ने उसे साहस की आत्मा के साथ आशीर्वाद दिया, वचन प्रचार करने के लिए और जारी रखने के लिए । प्रभु परमेश्वर हमारे लिए भी ऐसा ही करेंगे, उन्होंने कहा कि हमें उनके वचन प्रचार करने के लिए साहसिक कर देगा। जब हम अपने दिलों में कीचड़ और अधर्म

रखते है, प्रभु हमें बाहर जमानत के लिए परेशानी नहीं उठाएगा। कौन हमें कारावास में डालता है ? यह दुश्मन, बुराई है। बुराई भी हम पर नजर डाले रहता है प्रभु की तरह हम पर देखता है। पवित्र ग्रंथों में हम जानते हैं कि लोग देखते हैं कि प्रभु के लोगों को बुराई चंगुल से प्रभु के दास वितरित कर रहे हैं, वे भी बुराई के सामने खड़े होकर उन्हें अनुकरण करने की कोशिश करते हैं। लेकिन दुष्ट उन्हें बताता है ... मैं यीशु मसीह को जानता हूँ और मैं प्रेरित पौलुस को भी जानता हूँ, लेकिन तुम कौन हो? इस प्रकार, यदि प्रभु हमारे भीतर है, हमारे हृदय शुद्ध और धर्मी होना चाहिए। लेकिन जब हमारे दिल शुद्ध और धर्मी नहीं है, बुराई भी हमें जीत जाएगा। दाता देता है, लेकिन एक है जो इसका उपयोग करता है पता होना चाहिए कि प्रभु के वचन का प्रसार करने के लिए एक ही उपयोग करें। तो कई लोग यहां आते हैं इकट्ठा, हमारे मंदिर के लिए, वहाँ कोई जगह नहीं होगी सब लोग यहाँ इकट्ठा करने के लिए। इस प्रकार, प्रभु बाहर कई स्थानों में कलीसियाए खोला गया है, जहां वह अपने झुंड अर्थात नासिक, भिलाड, बैंगलोर को चुना गया है। याद है, एक दिन, हम सब निश्चित रूप से एक जगह है, जहां में मिलेंगे, कहाँ ? उस समय जब प्रभु परमेश्वर एक बार फिर से आ जाएगा। तो, हम अपने आपको तैयार अभी से ही करना चाहिए, कि हम उसके द्वारा ऊपर ले लिया जाए। हर नया साल है कि हमारे जीवन में आता है, की यीशु के द्वितीय आने वाले वर्षों कम हो जाती है । हम इस प्रकार, हमारे जीवन को बदलकर धर्मी रहना हैं और प्रभु की सेवा के लिए खुद का उपयोग करना चाहिए । पाप पिछले साल प्रतिबद्ध है, नए साल में दोहराया नहीं जाना चाहिए, हम अपने पापों को पीछे छोड़ देना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि हम नई आशा, विश्वास और उस पर भरोसा के साथ, हर साल प्रभु के साथ वृद्धि होगी। यहाँ तक कि मनुष्य के रूप में, जब हम १३ – १४ साल की उम्र तक पहुँचते हैं, हमारे व्यवहार में परिवर्तन, हमारे विचारों और कार्यों बदल जाते हैं। इसी तरह भी प्रभु के प्रति हमारे विचारों को बेहतर करने के लिए परिवर्तन करना होगा। हम बच्चों की तरह गलतियाँ करते हैं, हम प्रभु के लिए बेहतर करने के लिए हमारे जीवन में सुधार करना चाहिए। शैतान जानता है कि अगर ' पास्टर गिर जाता है, तो यह चर्च भी गिर जाएगा'। इस प्रकार शैतान उसकी चाल तदनुसार योजना करता है। यीशु पुरोहित, सदूकियों और फरीसियों के खिलाफ हमेशा से था। इस वजह से, लोग यीशु मसीह के खिलाफ थे। इस प्रकार, यीशु ने अपने पराक्रम के कार्य करने के लिए, गरीब और इस दुनिया के नम्र लोगों को चुना है । आज भी हम ऐसे दुष्ट लोगों से दूर रहने की जरूरत है । वहाँ ज्योतिषी/भविष्यवक्ताओं जो अपनी हथेली, या अपने जन्म सितारों पर लकीरों को देखकर और भविष्य की भविष्यवाणी कर रहे हैं। वे जो झूठ, बुराई, भविष्यवाणियों से लाभ कर रहे हैं। जबकि, हमारे प्रभु ऐसे नहीं है, जब हम अपने मुंह प्रभु के लिए खोलते है हम गधों की तरह खोलते है। याद रखे ! जब प्रभु हमारे मुंह खोलता है यह हमें बात करने के लिए महत्वपूर्ण है और जब प्रभु बंद करने के लिए कहता है हमें बात बंद कर देना चाहिए । लेकिन, हम खुद को धोखा देते है और हम कह बोलते है की प्रभु बोल रहा है, तब भी जब प्रभु नहीं बोल रहा है, तो हम दूसरों को धोखा दे रहे हैं । यह अपने आप को लाभ होगा और प्रभु को नहीं। ऐसे प्रभु के धोखेबाज और

ज्योतिषी/भविष्यवक्ताओं के बीच कोई अंतर नहीं है, उनकी भविष्यवाणियों बुराई से कर रहे हैं। उदाहरण के लिए । हम तोते, जो हमारे लिए कार्ड लेने के लिए और भविष्यवाणियों करते हैं के साथ इतने सारे लोगों को देखा है । प्रभु ऐसे लोगों से नफरत करता है जो, वह हमें चेताते हैं उनमें से खुद को दूर रखने के लिए । हम उन लोगों से दूर रहना चाहिए, जो हमें खुश करने के लिए भविष्यवाणी करता है। जब प्रभु धन, शक्ति, समय के साथ हमें आशीर्वाद देता है, हम यह अच्छा इस्तेमाल किया जाना चाहिए, रहने वाले अपने वचन दूर–दूर तक ले जाना चाहिए । जब हम इस अच्छे काम करने के लिए जारी है, परमेश्वर का वचन कहता है, भजन संहिता ‹f % Š]‹ ,तू तो केवल अपनी आंखों से निहारेगा, और दुष्टों का अन्त देखेगा। क्योंकि तू ने यहोवा को, जो मेरा शरणस्थान है, परमप्रधान को अपना निवासस्थान बनाया है। प्रभु की कृपा प्राप्त करने के लिए, हम अपने आप को इस तरह के बुरे लोगों से दूर रखना चाहिए । १ तीमुथियुस ˆ % ‡&Š ,और उन मनुष्यों के मध्य निरन्तर झगड़े उत्पन्न होते हैं जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है, जो सत्य से दूर हो गए हैं और जो भक्ति को लाभ का साधन मानते है। परन्तु सन्तोष सहित भक्ति वास्तव मे महान कमाई है। क्योंकि न तो हम संसार में कुछ लाए हैं, न यहां से कुछ ले जाएंगे। यदि हमारे पास भोजन और वस्त्र है तो इन्हीं से हम संतुष्ट रहेंगे। हम जो भी प्रभु के लिए करते हैं, हमेशा उसकी आँखों को भाता होना चाहिए और काम इस दुनिया में प्रभु का वचन हर जगह फैलाने के लिए किया जाना चाहिए। वरना हमारे और सांसारिक ज्योतिषी के बीच कोई अंतर नहीं है। याद रखें, हमेशा की तरह, प्रभु हम सब पर हर समय देख रहा है, इस प्रकार हम कैसे रहते हैं हम अपने जीवन का संचालन बहुत सावधान रूप से रहना चाहिए। **मत्ती ६** में, पवित्र ग्रंथों में स्पष्ट रूप से दशमांश दाता और प्रार्थना योद्धा के बारे में बताते हैं। मत्ती ˆ % f&‰ ''सावधान!'' तुम अपनी धार्मिकता के कार्य मनुष्यों को दिखाने के लिये न करो, अन्यथा अपने स्वर्गीय पिता से कोई भी प्रतिफल प्राप्त न करोगे। ''इसलिये जब तू दान करे तो अपने आगे तुरही मत बजवा, जैसे पाखण्डी लोग, सभाओं और गलियों में करते हैं की लोग उनका सम्मान करें। मैं तुम से सच सच कहता हूं कि वे अपना प्रतिफल पूर्ण रूप से पा चुके हैं। परन्तु जब तू दान करे तो तेरा तेरा बांया हाथ जानने न पाए की तेरा दाहिना हाथ क्या कर रहा है। जिस से तेरा दान गुप्त रहेय और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा।'' जब तू प्रार्थना करे तो पाखण्डीयों के सदृश्य न हो, क्योंकि लोगों को दिखाने के लिये आराधनालयों और सड़कों के मोड़ों पर खड़े होकर प्रार्थना करना उनको प्रिय लगता है। मैं तुमसे सच कहता हूं, कि वे अपना पूरा प्रतिफल पा चुके। परन्तु तू जब प्रार्थना करे, तो अपने भीतरी कक्ष में जा और द्वार बन्द करके अपने पिता से जो गुप्त में है प्रार्थना करय और तेरा पिता जो गुप्त में देखता है, तुझे प्रतिफल देगा। और जब तू प्रार्थना करे तो गैरयहूदियों की तरह अर्थहीन बातें न दोहरा, क्योंकि वे सोचते हैं कि उनके अधिक बोलने से उनकी सुनी जाएगी। इसके अलावा एक है जो इसे प्राप्त करता है और यह कैसे प्रभु की महिमा के लिए प्रयोग करता है, प्रभु उन पर भी देख रहा है। हमारे भविष्य अकेले प्रभु के हाथ में है, अगर हम धर्मी और शुद्ध हो प्रभु के आगे तो उसे प्रभु मजबूत बनाने और उसकी महिमा के लिए हमारा

उपयोग करता हैं और हम उनकी सच्ची गवाही हो जायेंगे। लेकिन अगर हम उसके खिलाफ जाने के लिए और हमारे जीवन में बुराई करते हैं, हम राख की तरह नष्ट कर दिए जायेंगे । हमारा परमेश्वर एक निष्पक्ष परमेश्वर है, और याद रखें फिर से, उसकी आँखें हम पर हर समय देख रहीं हैं। व्यवस्थाविवरण ff % f„ वह ऐसा देश है जिसकी देखभाल तुम्हारा परमेश्वर यहोवा करता है। वर्ष के आरम्भ से अन्त तक उसपर तुम्हारे परमेश्वर यहोवा की दृष्टि निरन्तर लगी रहती है। प्रभु की आँखों हमेशा वर्ष के अन्त तक इस नए साल की शुरुआत से उनके बच्चों पर हो जाएगा । तो हमें क्या करना चाहिए ? हम मोआबी देश को छोड़ देना चाहिए और बेतलेहेम को वापस लौटना चाहिए। अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो हम अपने पापों में डूब जायेंगे और नष्ट हो जायेंगे। जैसे के नाओमी और रूथ मोआब के देश को छोड़ दिया और बेतलेहेम में लौट आए, यह केवल बेतलेहेम मे लौट आने के बाद ही नाओमी को बड़े पैमाने पर आशीर्वाद दिया था और रुथ को बोअज के साथ आशीर्वाद दिया था। इसी तरह, हमारे जीवन में भी, इस साल में, हम हमारे सभी पापों को पीछे छोड़ देना चाहिए, वापस छोड़ दो मोआब देश को और यह अत्यंत महत्वपूर्ण है 'मन्ना की सभा' अर्थात ' बोअज का घर' पर लौट जाना चाहिए। . रूत f % „„] अतः नाओमी अपनी मोआबिन बहू रूत के साथ लौटी, जो मोआब देश से लौट आई थी। वे जौ की फसल कटने के समय के आरम्भ मे बैतलहम पहुंची। अंत समय के दौरान, जब प्रभु एक न्यायाधीश के रूप में आ जाएगा, वह अच्छा अनाज अन्न के भंडार में रखेगा और जंगली झाड़ियों को काट कर धधकती आग में डाल दिया जाएगा। प्रभु ने अब तक उनके दूसरे आगमन की सुचना किसी को भी नहीं दी हैं, लेकिन केवल दुनिया मे घ ाडते चिन से हम अंत समय को पहचान सकते हैं उन अलग अलग संकेत द्वारा की अंत हमारे पेरो के एड्डी के पास ही हैं । हमारे प्रभु परमेश्वर जल्द ही आ रहा है। वह आधी रात में एक चोर के रूप में आ जाएगा। जब हम सोचते हैं वह आ रहा है, वह नहीं आएगा । हम अपने जीवन में आलसी नहीं हो जाना चाहिए, लेकिन हम उसके लिए तैयार होना चाहिए जब वह कभी भी आएगा। हम एक और सच्चे दिल के साथ हमारे पापों को पीछे छोड़ के और जीवन में प्रगति करके सच्चे और धार्मिक ह्रदय के साथ बढ़ना चाहिए। क्योंकि नाओमी और रूथ मोआब के देश को पीछे छोड़ दिया, और उनको बेतलेहेम में खुशी और शांति मिल गया। हम भी हमारे पीछे हमारे पापी जीवन को छोड़ देना चाहिए, उसके बाद ही हम सच्चाई और एक नया धर्मी जीवन की ओर आगे बढ़ सकते है। हम हाजिरा (हागार) के कहानी के बारे में पता है जो की पवित्र ग्रंथों मे हैं ,कैसे वह प्रभु का नाम रखती है ' प्रभु जो देखता है'। क्रिसमस समारोह के दौरान, हम हाजिरा (हागार) का नाट्य रूपांतर का आनंद लिया। हमने नाटक में देखा था, केवल एक भाग तक हाजिरा (हागार) एक बच्चे को जन्म देती है। लेकिन उसके बाद वह देश छोड़ने के लिए और भागने के लिए मजबूर की जाती है। पानी और भोजन जो कि इब्राहीम ने उसे दिया था समाप्त हो जाता है, और बच्चा फूट फूट कर रो रहा था। उस समय प्रभु परमेश्वर उसे सुर में मिलता है, और जंगल में प्रभु से मुलाकात में हाजिरा (हागार) वास्तव में खुश हो गई और इस तरह उसने ' प्रभु जो देखता है ' का नाम दिया गया था। हाँ, यह एक ही

परमेश्वर है जो आज भी हम पर देख रहा है। कैसे स्वर्गीय आँखें है कि हमें देख रहा है आज भी है ? जकर्याह † % få, ''क्योंकि छोटी बातों के दिन को किसने तुच्छ जाना है ? जरूब्बाबेल के हाथ मे साहुल देखकर ये सातों अर्थात यहोवा की आँखें जो सारी पृथ्वी पर इधर–उधर देखती फिरती है अति आनन्दित होगी।'' प्रभु की आँखें हमें खोजती है, प्रभु की आँखें हमें देखती है, प्रभु की आँखें इस धरती पर हर जगह हैं। इस प्रकार, जब हम अकेले अंधेरे में हैं, या बंद दरवाजों के पीछे हमारे बेडरूम में, या दिन के उजाले में, याद रखें प्रभु हमेशा हम पर हर समय, दिन के २४ घंटे देख रहा है। सब कुछ है कि हम करते हैं और कहते हैं, प्रभु हम पर देख रहा है । प्रभु लगन से जो उसे प्यार की तलाश है। जो लोग उत्सुकता से प्रभु के लिए काम करना चाहते हैं, प्रभु उनकी इच्छाओं को जानते हैं और उन्हें तदनुसार प्रयोग करेंगे। गिनती „... % „...] क्योंकि याकूब के विरुद्ध कोई अपशकुन नहीं होता, न ही इस्त्राएल के विरुद्ध कोई शकुन –विद्या लागू होती हैं। उचित समय पर कहा जायेगा की याकूब और इस्त्राएल के लिए परमेश्वर ने क्या किया है । यहाँ इस वचन में हम देखते हैं, याकूब को नष्ट करने के लिए लाबान की योजना और लोगों ने उसे नष्ट करने के लिए तयारी करता है। याकूब इस योजना के बारे में कुछ नहीं जानता है। वह लगन से प्रभु की सेवा करने के लिए जारी रहता है, लाबान की बुराई योजनाओं के किसी भी बात को वह नहीं जानता था। लेकिन प्रभु याकूब पर देख रहा था। हम भी प्रभु के लिए अच्छा करने के लिए जारी रहना चाहिए, हमारे खिलाफ हर बुराई योजना को उसके द्वारा नष्ट कर दिया जाएगा । हमारे प्रभु हमारे खिलाफ शत्रु की सारी बुराई योजनाओं पर देखता है और उनके ताकतवर संरक्षण के साथ हमें सुरक्षा करता है। बुराई की कोई चालाकी हम पर बनी नहीं रह सकती हैं। भजन संहिता ११ : ४, यहोवा अपने पवित्र मन्दिर में हैय यहोवा का सिंहासन स्वर्ग में है। उसकी आंखें मनुष्य की सन्तान को देखती, उसकी पलकें उनको परखती हैं। हाँ, हालांकि प्रभु का सिंहासन स्वर्ग में है, उसकी आंख इस धरती को देखती है और कहीं भी हम पर देखता है, हर जगह, किसी भी समय। इस प्रकार, हम हमारे जीवन में परिवर्तन करना होगा । हमारे प्रभु हमारे अच्छे और बुरे को देखता है, तो हम हर चीज में प्रभु के लिए अच्छा करना चाहिए अकेले प्रभु के लिए एक धर्मी जीवन में रहना चाहिए, अकेले उसके पवित्र नाम की महिमा करनी चाहिए। प्रभु की आग हम पर गिर जाता है, हम प्रभु को डरते है और उस आग मे हम शुद्ध हो जाते है। हर दिन जब हम बाइबल लगन से पढ़ने के लिए, अगर कभी हम एक चेतावनी संदेश मिलता है, हम भयभीत हो जाते है और हमारे दिल में परेशान हो जाते है। हम एक बार फिर से प्रार्थना करते हैं और माफी के लिए प्रभु से वचन एक बार फिर से पढ़ते है, तो हमें एक सुखदायक वचन मिलता है उसके बाद ही शांति हमारे दिल में मिलती है। ऐसा क्यों होता है? क्योंकि हमें प्रभु का डर है। लेकिन दिल में गर्व हो तो वह ऐसा महसूस नहीं करता है। उनको प्रभु को डरने की जरूरत नहीं है और वे परवाह नहीं करते है । लेकिन हम, जो प्रभु को डरते है, बेचैन हो जाते है अगर हम छोटी सी बात पर भी प्रभु नाराज हो गए तो । छोटे या बड़े पाप हों, हम 'एक पश्चाताप का दिल' होना चाहिए उसके बाद ही हम भय सहित प्रभु की खोज फिर से और फिर जब तक हम उसे खोजने की तलाश

करेंगे कर सकते हैं। धन्य हैं लोग जो इस भावना का अनुभव कर रहे हैं। यह हमारे अच्छे प्रभु जो कहा है, मैं मांस का एक दिल दूंगा एक कठोर दिल की जगह लेगा । जो लोग प्रभु को चोट पहुंचाते हैं, उस दिन बहुत बेचैन महसूस करेगा, वे कुछ भी खुशी अपने अंदर महसूस नहीं करेंगे, जब तक उनके दिल से दर्द प्रभु से प्रसन्नता के साथ बदल नहीं दिया जाए। यशायाह † % ...] और ऐसा होगा की जो सिय्योन में बचा रहेगा और यरूशलेम में ही रहेगा अर्थात प्रत्येक जिसका नाम यरूशलेम के जीवित लोगों की सूचि मे लिखा होगा – वह पवित्र कहलाएगा। प्रभु उनकी आंखों से धधकती आग के साथ हमारे पापों को शुद्ध कर सकते हैं । आग शुद्ध और पापों से अलग करता है और हमें शुद्ध। प्रभु जलती झाड़ी में पहली बार मूसा से कहा है। हालांकि प्रभु आग के रूप में मूसा से कहा, कि आग जलती हुई झाड़ी को नष्ट नहीं किया बल्कि यह है कि झाड़ी ने भी इस दिन तक जीवित है। याद रखें, जब प्रभु की धधकती आग को हम पर गिर जाता है, हम नष्ट नहीं हुए, बल्कि हम बेहतर व्यक्ति बनने के लिए धन्य हैं। वास्तव में, हमारे परमेश्वर आज भी जिंदा है, लेकिन हम उसे प्राप्त करने के लिए योग्य हैं, यह महत्वपूर्ण है! प्रभु सभी मानव जाति पर उनकी पवित्र आत्मा को भरने के लिए इच्छा रखता है, लेकिन हम आज लायक हैं ? हम उनकी पवित्र आत्मा प्राप्त करने के लिए योग्य होना चाहिए । हम एक ही समय में इस दुनिया और प्रभु को खुश नहीं कर सकते। यदि हम हमारे आगे प्रभु को रखें तो वह हमें सब कुछ हम करते हैं उसमे हमें बेहद आशीष देगा। मनुष्य हमें प्यार कर सकते हैं और हमें केवल कुछ समय के लिए खुश रखने के लिए, लेकिन प्रभु का प्रेम शाश्वत और सदा से सदा से है। उन्होंने कहा कि एक पिता, भाई, पुत्र, माँ, बहन, शिक्षक, उपदेशक, डॉक्टर, आदि जो कुछ भी स्थिति में के रूप में हमारे साथ होगा हम कर रहे हैं और हम उनकी मदद की जरूरत है, अगर हम केवल उसे पुकारें वह हमारे साथ हो जाएगा कि किसी भी रूप में है कि हमें उसकी जरूरत है। इन सबसे ऊपर हम हमारे जीवन और हमारे घरों मे उसे पहली जगह देने के लिए महत्वपूर्ण हैं, उसे प्राप्त करने के योग्य होना चाहिए । हमारे प्रभु ही हमारे दिल चाहता है, वह आज हमारे दिल में रहना चाहता है। हम प्रसिद्ध स्तुति गीत गाते है '', तुम नहीं जानते हो, तुम नहीं जानते हो, तुम पवित्र आत्मा के मंदिर हो। हाँ मुझे पता है, हाँ मुझे पता है, मैं पवित्र आत्मा का मंदिर हूँ ''। क्या हर कोई कह सकता हैं, हमारे दिल की गहराई से । अगर हम करते हैं, तो हमारे प्रभु की दया और प्रेम हम पर विशाल हो जाएगा । वह एक महान परमेश्वर और वादा रखनेवाला परमेश्वर है, उन्होंने कहा कि हमें एक पूरा जीवन दे देंगे। वह एक ही परमेश्वर है जो अब्राहम से बात की और कहा कि '' मेरे आगे धर्म से चलना है और मैं तुम्हें आशीर्वाद दे दूंगा ''। आज, अगर हम भी सच्चाई से प्रभु के सामने चलना है, वह हमारे जीवन को सुंदर और पूरा कर देगा। हमें हमारे दिल में प्रभु के वचन रखना है और हमारे सभी काम जो हम करते है उनकी दृष्टि में सुखदायक होना चाहिए। याद रखें, उसकी आँखें साल के शुरुआत से अंत तक हम पर होगी । हम अपने गर्व और अहंकार त्यागना चाहिए इस दुनिया में कुछ भी नहीं हमेशा के लिए बनाया है। हम सब को प्रभु के सामने नंगे खड़े होना है, परमेश्वर की महिमा के विस्तार के लिए किया गया कार्य उसे पहले दर्ज हो

जाएगा । ना की हमारे पैसे, बुद्धि, ज्ञान, सौंदर्य, योग्यता, गर्व और अहंकार । हमें इस प्रकार करते हैं, आज प्रभु के सामने खुद को विनम्र, हमारे घुटने दण्डवत् करें और हमारी जीभ कबूल करें कि वह अकेले ही हमारे जीवन में प्रभु परमेश्वर है और हमें इस साल के माध्यम से खुशी प्राप्त हो।

पास्टर सरोज म.